भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 01 | अंक - 334 | बिजौलिया - बुधवार , 17 जून ,2026 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4 | WWW.BHILWARAFOCUS.COM

ई-श्रम से बदली श्रमिकों की तस्वीरः राजस्थान के 1.54 करोड़ मजदूर जुड़े सामाजिक सुरक्षा कवच से

महिलाओं की भागीदारी 53 प्रतिशत से अधिक, पेंशन-बीमा से लेकर रोजगार योजनाओं तक एक मंच पर मिल रहा लाभ

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की दिशा में राजस्थान ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश में अब तक 1 करोड़ 54 लाख 50 हजार 294 श्रमिक ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत हो चुके हैं। इससे लाखों श्रमिकों को पेंशन, बीमा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार जैसी सरकारी योजनाओं तक आसान पहुंच मिल रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में चल रहे अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिलने से राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है।

केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 26 अगस्त 2021 को शुरू किए गए ई-श्रम पोर्टल का उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करना और उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ना है। पोर्टल पर पंजीकरण के बाद श्रमिकों को यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) उपलब्ध कराया जाता है, जिससे विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करना आसान हो जाता है।

महिलाएं बनीं अभियान की मजबूत भागीदार

प्रदेश में पंजीकृत कुल श्रमिकों में 82.40 लाख महिलाएं और 72.09 लाख पुरुष शामिल हैं। कुल पंजीकरण में महिलाओं की हिस्सेदारी 53.33 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो आर्थिक गतिविधियों में उनकी बढ़ती भागीदारी का संकेत है।

कृषि क्षेत्र के श्रमिक सबसे आगे

क्षेत्रवार आंकड़ों के अनुसार ई-श्रम पोर्टल पर सबसे अधिक 85.99 लाख श्रमिक कृषि क्षेत्र से जुड़े हैं। इसके बाद 24.29 लाख निर्माण क्षेत्र और 8.02 लाख वस्त्र एवं परिधान उद्योग से जुड़े श्रमिकों ने पंजीकरण कराया है। इससे ग्रामीण और श्रम आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

स्वयं पंजीकरण को मिली प्राथमिकता

पोर्टल पर 1.02 करोड़ से अधिक श्रमिकों ने स्वयं ऑनलाइन पंजीकरण कराया है, जबकि 51.62 लाख श्रमिकों ने कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से अपना नाम दर्ज कराया। राज्य सेवा केंद्र, उमंग प्लेटफॉर्म और अन्य माध्यमों से भी हजारों श्रमिक इस अभियान का हिस्सा बने हैं।

एक क्लिक पर मिल रही योजनाओं की जानकारी

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा अक्टूबर 2024 में शुरू की गई 'वन-स्टॉप-सॉल्यूशन' सुविधा के माध्यम से ई-श्रम पोर्टल को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा गया है। इसके तहत श्रमिकों को प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, आयुष्मान भारत योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं की जानकारी और लाभ एक ही मंच पर उपलब्ध हो रहे हैं।

रोजगार और कौशल विकास से भी जुड़ा पोर्टल

ई-श्रम पोर्टल को विभिन्न कौशल विकास और रोजगार योजनाओं से भी जोड़ा गया है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम जैसी योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर खुल रहे हैं।

विकसित राजस्थान की दिशा में बड़ा कदम

विशेषज्ञों के अनुसार ई-श्रम पोर्टल न केवल असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान कर रहा है, बल्कि सरकार को भी लक्षित लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी और प्रभावी तरीके से पहुंचाने में मदद कर रहा है। विकसित भारत और विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्य को हासिल करने में यह पहल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सवाईपुर क्षेत्र में बदला मौसम, झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहाना

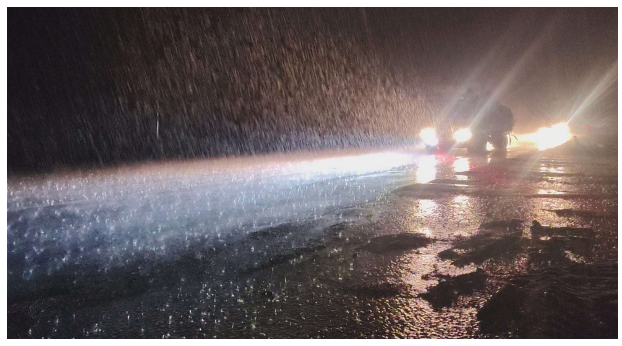

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव):- सवाईपुर कस्बे सहित सोपुरा जाटों का, बड़ला, बनकाखेड़ा, चावंडिया, ककरोलिया माफी, कंवलियास, ढ़ेलाणा, सालरिया, रेड़वास, खजीना, होलिरड़ा, आदि कई गांवों में मंगलवार शाम को हुई झमाझम बारिश बारिश से मौसम खुशनुमा हो गया, सवाईपुर क्षेत्र के गांवों में सुबह से ही उमस और गर्मी ने लोगों के हाल-बेहाल कर रखा था, वही शाम 8 बजे मौसम बदला और तेज हवा का दौर शुरू हुआ, जो कुछ देर चलने के बाद करीब 8:30 बजे तेज हवा के साथ बारिश का दौर शुरु हुआ, जो करीब आधा घंटे तक झमाझम बारिश का दौर चला, जिससे गांव के सड़कों पर पानी बहने लगा, वहीं तेज बारिश के साथ तेज हवा के चलने से हाईवे पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई । इस बारिश से कपास सहित मक्के की फसल को फायदा मिला, बारिश के होने के चलते किसानों के चेहरे के खिल उठे ।।

भीलवाड़ा पुलिस की बड़ी पहलः शहर की सुरक्षा अब 'हॉक' के हवाले

तीन विशेष गश्ती वाहन संभालेंगे कमान, चंद मिनटों में पहुंचेगी पुलिस सहायता

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

शहर की कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए तीन विशेष गश्ती वाहनों को शहर में तैनात किया है। इन वाहनों को हॉक-1, हॉक-2 और हॉक-3 नाम दिया गया है, जो प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 12 बजे तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गश्त कर आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

यह पहल जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा (आईपीएस) के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पारस जैन, वृत्ताधिकारी शहर एवं सदर तथा शहर के विभिन्न थाना प्रभारियों के नेतृत्व में शुरू की गई है।

पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने बताया कि शहर में बढ़ती गतिविधियों और बाजारों में शाम के समय होने वाली भीड़ को देखते हुए त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना आवश्यक था। इसी उद्देश्य से इन विशेष गश्ती वाहनों को मैदान में उतारा गया है।

विशेष प्रशिक्षण और आधुनिक संसाधनों से लैस टीमें

प्रत्येक हॉक वाहन में एक एएसआई अथवा सब-इंस्पेक्टर स्तर का ड्यूटी अधिकारी तैनात रहेगा। इसके साथ चार प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों का विशेष दल भी मौजूद रहेगा। किसी भी आपात स्थिति, अपराध या कानून-व्यवस्था संबंधी चुनौती से निपटने के लिए इन जवानों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। सभी जवान

लाठी, ढाल एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरणों से सुसज्जित रहेंगे।

त्वरित कार्रवाई में मिलेगी मदद

पुलिस अधिकारियों के अनुसार कई बार थाना स्तर की गाड़ियां जांच कार्य या अन्य ड्यूटी में व्यस्त होने के कारण घटनास्थल तक पहुंचने में विलंब हो जाता है। ऐसे में हॉक वाहन त्वरित प्रतिक्रिया दल (फास्ट रिएक्शन यूनिट) के रूप में कार्य करेंगे। शहर में कहीं भी घटना की सूचना मिलने पर यह टीम कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करेगी तथा संबंधित थाने को तत्काल बैकअप उपलब्ध कराएगी।

अपराधियों पर रहेगी पैनी नजर

भीलवाड़ा पुलिस का मानना है कि हॉक वाहनों की नियमित गश्त से अपराधियों में भय का माहौल बनेगा तथा महिलाओं, व्यापारियों और आम नागरिकों को सुरक्षा का अधिक भरोसा मिलेगा। पुलिस की इस नई पहल से शहर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी।

भीलवाड़ा में जिन्दल को 1400 बीघा जमीन देने का विरोध, संघर्ष समिति ने दी आंदोलन की चेतावनी

पहले ओवरब्रिज बनाओ, तालाब भरो और स्टील प्लांट लगाओ, फिर मांगो नई जमीन

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

मूलचन्द पेसवानी

भीलवाड़ा में खनन विस्तार के लिए जिन्दल सॉ लिमिटेड को 1400 बीघा अतिरिक्त भूमि आवंटित करने के प्रस्ताव को लेकर विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। ओवरब्रिज बनाओ संघर्ष समिति भीलवाड़ा ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कंपनी को नई भूमि आवंटित करने की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। समिति ने साफ चेतावनी दी है कि यदि कंपनी द्वारा पूर्व में किए गए जनहितकारी वादों को पूरा कराए बिना नई जमीन दी गई तो व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा।

संघर्ष समिति का कहना है कि जिन्दल सॉ लिमिटेड को पहले भी खनन कार्य के लिए बड़ी मात्रा में भूमि उपलब्ध कराई जा चुकी है। उस समय कंपनी ने क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण वादे किए थे। इनमें रामधाम के पास रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण, पुर क्षेत्र के दोनों तालाबों को स्वच्छ जल से भरना तथा क्षेत्र में स्टील प्लांट स्थापित करना प्रमुख था। समिति का आरोप है कि इन वादों को लिखित समझौते और पंजीकृत अनुबंधों में भी शामिल किया गया था, लेकिन वर्षों बीत जाने के बावजूद इनमें से कोई भी वादा धरातल पर नजर नहीं आया।

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू को सौंपे गए ज्ञापन में समिति ने कहा कि कंपनी अब अपने खनन क्षेत्र के विस्तार के लिए लगभग 1400 बीघा अतिरिक्त भूमि की मांग कर रही है और प्रशासनिक स्तर पर इस प्रस्ताव पर विचार भी शुरू हो चुका है। ऐसे में पहले यह देखा जाना चाहिए कि कंपनी ने पूर्व में जनता और प्रशासन से किए गए वादों को कितना पूरा किया है।

समिति का कहना है कि जिन परियोजनाओं का लाभ सीधे आम जनता को मिलना था, वे

आज भी अधूरी पड़ी हैं। रामधाम क्षेत्र का ओवरब्रिज अभी तक केवल कागजों में सीमित है, जबकि पुर के तालाबों के पुनर्भरण और स्टील प्लांट स्थापना के वादे भी अधूरे पड़े हैं। ऐसे में कंपनी को नई भूमि देना जनभावनाओं के साथ अन्याय होगा।

संघर्ष समिति के सदस्यों लक्ष्मीनारायण डाड, दुर्गेश शर्मा, उम्मेदसिंह राठौड़, बाबूलाल जाजू, महेश सोनी, सत्यनारायण विश्नोई, ओम कसारा, अशोक मूंदड़ा, सीताराम खटीक एवं नेमचंद सिंघवी ने मांग की कि जिन्दल सॉ लिमिटेड को अतिरिक्त भूमि आवंटित करने की पूरी प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से रोकी जाए। साथ ही पूर्व में कंपनी द्वारा किए गए सभी लिखित वादों और पंजीकृत समझौतों की निष्पक्ष जांच कर उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए।

समिति ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जनहित की अनदेखी करते हुए भूमि आवंटन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई तो क्षेत्र के नागरिकों और संघर्ष समिति को सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इससे क्षेत्र में जनआक्रोश और बढ़ सकता है।

जसवंतपुरा का धर्म तालाब बना जहरीला, सैकड़ों मछलियों की मौत के बाद पानी के उपयोग पर रोक

प्रशासन ने माइक से कराई घोषणा, पशुओं को भी पानी नहीं पिलाने की चेतावनी, ग्रामीणों ने फैक्ट्री के रासायनिक अपशिष्ट को बताया जिम्मेदार, जांच और कार्रवाई की मांग

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

मूलचंद पेसवानी। जिले के बनेड़ा उपखंड क्षेत्र की बेरा ग्राम पंचायत के जसवंतपुरा गांव स्थित धर्म तालाब इन दिनों गंभीर पर्यावरणीय संकट से जूझ रहा है। तालाब के दूषित पानी के कारण सैकड़ों मछलियों और अन्य जलीय जीवों की मौत हो गई है। जांच रिपोर्ट में पानी के पीने योग्य नहीं पाए जाने के बाद प्रशासन ने तालाब के पानी के उपयोग पर पूरी तरह रोक लगा दी है। ग्रामीणों को माइक से घोषणा कर तालाब के पानी से दूर रहने तथा पशुओं को भी यह पानी नहीं पिलाने की हिदायत दी जा रही है।

पिछले करीब पंद्रह दिनों से तालाब में लगातार मछलियों और अन्य जलीय जीवों के मरने की घटनाएं सामने आ रही थीं। तालाब की सतह पर तैरती मृत मछलियां और उनसे उठती दुर्गंध के कारण आसपास का वातावरण दूषित हो गया। तालाब की पाल पर स्थित धार्मिक स्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

एएनएम की पहल पर हुई जांच

मामले की गंभीरता को देखते हुए जसवंतपुरा की एएनएम मल्ला मीणा ने बनेड़ा के ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी को लिखित सूचना भेजी। इसके बाद चिकित्सा विभाग ने तालाब के पानी के नमूने लेकर जिला मुख्यालय स्थित प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे। जांच के बाद पीएचईडी विभाग के वरिष्ठ रसायनज्ञ की रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि तालाब का पानी पीने योग्य नहीं है। रिपोर्ट के आधार पर प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से पानी के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया। उपखंड अधिकारी के निर्देश पर ग्राम पंचायत ने तालाब के आसपास चेतावनी बोर्ड लगवाए तथा ग्रामीणों को जागरूक करने का अभियान शुरू किया।

ग्रामीणों ने दफनाईं मृत मछलियां

तालाब में बड़ी संख्या में मछलियों की मौत के बाद फैल रही दुर्गंध को रोकने के लिए ग्रामीणों ने जनसहयोग से राशि एकत्रित की। इसके बाद मृत मछलियों को तालाब किनारे से हटाकर जंगल क्षेत्र में गहरे गड्ढों में दफनाया गया, ताकि संक्रमण फैलने का खतरा कम हो सके।

हैंडपंप के पानी को लेकर भी बढ़ी चिंता

ग्रामीणों ने बताया कि तालाब के समीप

देवनारायण मंदिर के पास स्थित हैंडपंप से गांव के लोग वर्षों से पानी भरते रहे हैं। लेकिन तालाब में सैकड़ों मछलियों की मौत के बाद लोगों ने एहतियात के तौर पर हैंडपंप का पानी लेना भी बंद कर दिया है। ग्रामीणों को आशंका है कि दूषित पानी का असर भूजल स्रोतों तक पहुंच सकता है।

फैक्ट्री पर लगाया प्रदूषण फैलाने का आरोप

ग्रामीणों ने तालाब के प्रदूषण के लिए क्षेत्र में संचालित एक फैक्ट्री को जिम्मेदार ठहराया है। उनका आरोप है कि फैक्ट्री से निकलने वाले रासायनिक अपशिष्ट और केमिकल खुले क्षेत्र में छोड़े जाने से तालाब का पानी जहरीला हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में भी फैक्ट्री प्रबंधन को केमिकल युक्त पानी खुले में छोड़ते हुए पकड़ा गया था, लेकिन उस समय प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

कार्रवाई नहीं हुई तो होगा आंदोलन

ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई और तालाब को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए तो क्षेत्र में बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा।

हाथीपुरा गांव में दो घरों में घुसे चोर, गहने, नगदी व बाइक चोरी

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव):- सवाईपुर क्षेत्र के हाथीपुरा गांव में सोमवार रात्रि को अज्ञात चोरों ने दो घरों में चोरी की घटना को अंजाम देते हुए, नगदी, गहने सहित एक बाइक को चुराकर ले गए, परिजनों को चोरी का पता मंगलवार सुबह चला । सूचना पर सवाईपुर चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची । पुलिस ने बताया कि हाथीपुरा गांव में सोमवार मध्य रात्रि को चोरों ने रामचंद्र पिता छोटू लाल बेरवा के मकान को निशाना बनाया, जहां चोर खेत के रास्ते से होकर घर के पीछे के दरवाजे से कमरे में घुसे, जहां कमरे में रखा लोहे के बक्से को पीछे खेत में ले गए, जहां उसमें रखा करीब एक से डेट तोला सोने का रामनवमी मादलिया, 100 ग्राम चांदी की कडुलिया सहित करीब 10? हजार की नगदी पर हाथ साफ किया । वही चोरों ने गांव के ही सोमनाथ पिता हरनाथ सिंह के घर पर खड़ी बाइक को भी अपने साथ ले गए,

सोमनाथ ने सोमवार को ही यह पुरानी बाइक खरीदी थी और रात्रि में चोर ले गए । चोरी की घटना का पता मंगलवार सुबह चला, जिस पर सवाईपुर चौकी पुलिस को सूचना दी, सूचना पर एएसआई प्यार चंद खटीक, कांस्टेबल संदीप कुमार आदि मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और खोजबीन कर घटना की जानकारी ली ।।

जंगली सुअर ने मनरेगा मजदूर पर किया हमला, महिला घायल

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर ।

(सांवर वैष्णव):- सवाईपुर क्षेत्र के जाटों का सोपुरा गांव में एक जंगली सुअर ने मनरेगा मजदूर महिला पर हमला कर दिया, जिससे महिला घायल हो गई । घायल महिला का चिकित्सालय में उपचार किया । प्रशासक किशन लाल जाट ने बताया कि जाटों का सोपुरा गांव में सवाईपुर रोड़ पर नाड़ी में मनरेगा का कार्य चल रहा, जहां मंजू पत्नी हीरालाल नायक उम्र 40 वर्ष आज सुबह बाथरूम करने गई, जहां वापस लोटते समय एक जंगली सुअर ने मंजू के पैर पर हमला कर गहरा घाव कर दिया । जिसको बाद में सवाईपुर चिकित्सालय लेकर आये, जहां घायल महिला का उपचार किया गया । इससे एक माह पूर्व भी खेत पर गई महिला कमला बलाई पर भी जंगली सुअर ने हमला किया था ।

एक माह के अंदर यह दूसरी घटना होने से ग्रामीण जंगली सूअर के आतंक से परेशान है और लोग खेतों में जाने से भी कतरा रहे हैं कि अब खेतों में फसले की निराई गुड़ाई व रखवाली के लिए खेत पर रहना पड़ेगा, ऐसे में लोग कतरा रहे हैं कि न जाने सूअर कब किधर से हमला कर दे । ग्रामीणों ने वन विभाग से जंगली सूअरों को पकड़ने की मांग की ।।

ग्रामीण सेवा शिविर बना सहारा, विधवा महिला व पुत्री को मिला योजनाओं का लाभ

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

ग्राम पंचायत पीथास में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर एक जरूरतमंद परिवार के लिए राहत और उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया। शिविर के माध्यम से विधवा महिला को पेंशन तथा उनकी पुत्री को पालनहार योजना का लाभ दिलाकर प्रशासन ने संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई का उदाहरण प्रस्तुत किया।

ग्राम पंचायत पीथास निवासी भंवरी देवी के पति का हाल ही में निधन हो जाने से परिवार आर्थिक और सामाजिक संकट से गुजर रहा था। परिवार के भरण-पोषण और पुत्री के भविष्य को लेकर चिंतित भंवरी देवी ने ग्रामीण सेवा शिविर में पहुंचकर अपनी समस्या शिविर प्रभारी संजना जोशी के समक्ष रखी तथा विधवा पेंशन और पालनहार योजना का लाभ दिलाने का अनुरोध किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए शिविर प्रभारी ने तत्काल समाज कल्याण विभाग के अधिकारी दीपक कुमार त्रिपाठी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से शिविर स्थल पर ही सभी आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण और सत्यापन किया गया।

त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप उसी दिन भंवरी देवी को विधवा पेंशन योजना से जोड़ दिया गया तथा उनकी पुत्री पायल गाडरी को पालनहार योजना का लाभ स्वीकृत कर दिया गया। इसके साथ ही शिक्षा विभाग द्वारा पायल गाडरी का अध्ययनरत प्रमाण-पत्र भी मौके पर जारी कर दिया गया, जिससे योजना का लाभ मिलने की प्रक्रिया और अधिक सरल हो गई।

ग्रामीण सेवा शिविर में विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से एक ही दिन में परिवार को आवश्यक सरकारी सहायता उपलब्ध कराई गई। इससे भंवरी देवी को आर्थिक संबल मिला, वहीं उनकी पुत्री की शिक्षा और भविष्य की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकी। भंवरी देवी ने शिविर प्रभारी संजना जोशी, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी दीपक कुमार त्रिपाठी तथा शिक्षा विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर मिली सहायता ने उनके परिवार को नई उम्मीद दी है।

श्रुत पंचमी महोत्सव में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, लघुतत्वस्पोट विधान श्रद्धाभाव से संपन्न

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

श्री सीमन्धर जिनालय में चल रहे वार्षिकोत्सव एवं पंच दिवसीय श्रुत पंचमी महापर्व के तहत मंगलवार को धार्मिक उल्लास, श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में श्री लघुतत्वस्पोट विधान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर जिनवाणी की आराधना की तथा धर्म लाभ अर्जित किया।

महोत्सव की शुरुआत प्रातःकाल जिनेन्द्र अभिषेक एवं पूजन के साथ हुई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने सीडी प्रवचन श्रवण कर धर्मोपदेश का लाभ लिया। दिनभर आयोजित धार्मिक कक्षाओं और आध्यात्मिक गतिविधियों में भी समाजजनों की सक्रिय सहभागिता रही।

दोपहर में आयोजित श्री लघुतत्वस्पोट विधान महोत्सव का मुख्य आकर्षण रहा। विधान के दौरान भक्तिभाव और धार्मिक उल्लास का विशेष वातावरण देखने को मिला। विधानकर्ता बनने का सौभाग्य कांता बाई धनोपिया परिवार को प्राप्त हुआ, जबकि पारस कुमार एवं अनुभव कुमार ने जिनवाणी विराजमान कराकर पुण्यार्जन किया।

सायंकालीन सत्र में जिनेन्द्र भक्ति, प्रवचन एवं धार्मिक कक्षाओं का आयोजन हुआ। इसके पश्चात प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। बच्चों एवं महिलाओं की प्रस्तुतियों को उपस्थित जनसमूह ने सराहा।

सम्पूर्ण आयोजन पंडित देवेंद्र कुमार के सान्निध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्री दिगम्बर जैन मुमुक्षु मंडल के तत्वावधान में तथा श्री दिगम्बर जैन महिला मंडल के सहयोग से किया गया।

ग्रामीण सेवा शिविर का सफल आयोजन, 400 से अधिक परिवादों का निस्तारण

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

ग्राम पंचायत मुख्यालय गुरला पर राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 22 विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लेकर आमजन की समस्याओं का समाधान किया।

शिविर प्रभारी एवं तहसीलदार विनोद कुमार गोखरू ने बताया कि शिविर में राजस्व एवं पंचायती राज विभाग से संबंधित प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। राजस्व विभाग द्वारा नाम शुद्धिकरण, हिस्सा शुद्धिकरण, ऑनलाइन नक्शा शुद्धिकरण, जाति प्रमाण पत्र, सहमति विभाजन सहित कई वर्षों से लंबित मामलों का समाधान कर परिवादियों को राहत प्रदान की गई।

शिविर में अपनी समस्याओं का समाधान होने पर लाभार्थियों ने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उपस्थित ग्रामीणों ने ऐसे शिविरों को जनहित में अत्यंत उपयोगी एवं सार्थक बताया।

शिविर में राजस्व विभाग, पंचायती राज विभाग, चिकित्सा विभाग, समाज कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि विभाग सहित विभिन्न विभागों की स्टॉलों पर लोगों की भारी भीड़ रही। शिविर के दौरान लगभग 400 परिवादों एवं आवेदनों का निस्तारण किया गया। इस अवसर पर विकास अधिकारी जितेंद्र गुरुनानी, नायब तहसीलदार भेरुलाल सुथार, ग्राम विकास अधिकारी विनोद कुमार सोनी, प्रशासक श्रवण गुर्जर, जनप्रतिनिधि गोरी शंकर माली सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भीलवाड़ा अरबन को-ऑपरेटिव बैंक की नई शाखा का शुभारंभ

सांसद अग्रवाल बोले सहकारिता में विश्वास ही सबसे बड़ी पूंजी, बैंकिंग सेवाओं का मिलेगा बेहतर लाभ

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

नगर में वित्तीय सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भीलवाड़ा अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की सातवीं शाखा का शुभारंभ किया गया। तेजाजी चौक के निकट आयोजित समारोह में सांसद दामोदर अग्रवाल ने फीता काटकर शाखा का उद्घाटन किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता मांडलगढ़ विधायक गोपाललाल खंडेलवाल ने की।

उद्घाटन समारोह में बैंक अध्यक्ष विवेकानंद पाण्डे, प्रबंध संचालक नरेन्द्र कुमार सनाढ्य एवं संचालक मंडल के सदस्यों ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए बैंक अध्यक्ष विवेकानंद पाण्डे ने बैंक की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 1987 में मात्र एक लाख रुपये की शेयर पूंजी से शुरू हुई संस्था आज करीब 300 करोड़ रुपये की कार्यशील पूंजी और 16 हजार सदस्यों के साथ क्षेत्र की अग्रणी सहकारी बैंकिंग संस्थाओं में शामिल हो चुकी है।

मुख्य अतिथि सांसद अग्रवाल ने कहा कि बैंकिंग और सहकारिता क्षेत्र में विश्वास सबसे महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा अरबन को-ऑपरेटिव बैंक ने पारदर्शिता और भरोसे के बल पर अपनी अलग पहचान बनाई है। नई शाखा खुलने से बिजौलिया एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों को आधुनिक और सुरक्षित बैंकिंग सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी।

कार्यक्रम में विधायक गोपाललाल खंडेलवाल ने भी बैंक प्रबंधन को नई शाखा के शुभारंभ पर बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं का विस्तार आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस अवसर पर बैंक के संचालक मंडल सदस्य सुनीत जागेटिया, ओमप्रकाश व्यास, राजेन्द्र कुमार भदादा, अंशु पाण्डे, सुनीता तोषणीवाल, अशोक कुमार जैन, योगेश अग्रवाल एवं राजेश कुमार खटीक सहित बड़ी संख्या में व्यापारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

समारोह के अंत में प्रबंध संचालक नरेन्द्र कुमार सनाढ्य ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

ग्रामीण सेवा शिविर में 22 विभागों ने दी सेवाएं, सैकड़ों ग्रामीणों ने उठाया लाभ

भीलवाड़ा फोकस @ सावर

दिलखुश मोटीस

ग्राम पंचायत बाढ़ का झोपड़ा में जनकल्याण शिविर के अंतर्गत ग्रामीण सेवा शिविर-2026 का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा आमजन को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा मौके पर ही कई प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

शिविर में शिविर प्रभारी मोनिका जाखड़, भाजपा जिला महामंत्री रायचंद बागड़ी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विजय प्रताप सिंह शक्तावत, तहसीलदार भगवती प्रसाद वैष्णव, अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिला अध्यक्ष रंगलाल भील, मंडल महामंत्री लक्ष्मी नारायण मालावत, युवा मोर्चा अध्यक्ष मनजीत सिंह, भाजपा नेता रोहित गुर्जर, कुलदीप सिंह, कुलदीप टोंग्या, अतिरिक्त विकास अधिकारी देवकरण बैरवा, सत्यनारायण बैरवा, स्वच्छ भारत मिशन ब्लॉक कोऑर्डिनेटर प्रियंक दाधीच, ग्राम विकास अधिकारी देवी सिंह राठौड़, कनिष्ठ सहायक रमेश खारोल, दयाराम मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।

शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लेकर विभिन्न विभागों की सेवाओं का लाभ उठाया। कुल 22 विभागों ने भागीदारी निभाते हुए अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की विस्तृत जानकारी आमजन को दी। शिविर के दौरान 13 पट्टों का वितरण किया गया। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 10 व्यक्तिगत शौचालयों की स्वीकृति जारी की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना के एक लाभार्थी को तृतीय किस्त तथा एक लाभार्थी को द्वितीय किस्त की राशि हस्तांतरित की गई। इसके अलावा पेंशन सत्यापन, जन आधार सत्यापन, मंगला पशु बीमा योजना के अंतर्गत 14 बीमा पॉलिसियां, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित कार्य, चिकित्सा विभाग द्वारा 20 आयुष्मान कार्ड तथा 3 निक्षय पोषण किटों का वितरण किया गया। कृषि विभाग द्वारा किसानों को मूंग के 7 मिनी किट वितरित किए गए। साथ ही राजस्व खातों के शुद्धिकरण, जाति प्रमाण पत्र एवं मूल निवास प्रमाण पत्र सहित विभिन्न जनहितकारी कार्यों का भी निस्तारण किया गया। शिविर के सफल आयोजन पर ग्रामीणों ने प्रशासन की पहल की सराहना की।

एमडी ड्रग फैक्ट्री मामले में तीन आरोपी 7 दिन की पुलिस रिमांड पर

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

चंपापुर गांव स्थित अवैध एमडी ड्रग फैक्ट्री मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को मंगलवार को न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने वीरेन्द्र पुत्र हजारीलाल बांछड़ा निवासी मंदसौर, बहादुर सिंह पुत्र गोरू बंजारा निवासी नीमच तथा बबलू पुत्र श्यामलाल बंजारा निवासी भोपतपुरा को 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया।

मामले की आगे की जांच बड़लियास थानाधिकारी द्वारा की जा रही है। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों से रॉ मैटेरियल के स्रोत, ड्रग निर्माण से जुड़े अन्य लोगों, सप्लाई नेटवर्क तथा आर्थिक सहयोग देने वालों के संबंध में पूछताछ की जाएगी।

गौरतलब है कि बिजौलिया पुलिस ने हाल ही में कार्रवाई करते हुए अवैध एमडी ड्रग निर्माण से जुड़ी एक फैक्ट्री का खुलासा किया था। मौके से 36 किलोग्राम एमडीएमए, 155 लीटर एमएम केमिकल, 30 लीटर हाइड्रोक्लोरिक एसिड तथा 8.50 किलोग्राम कास्टिक सोडा सहित ड्रग निर्माण में प्रयुक्त सामग्री बरामद की गई थी। पुलिस को आशंका है कि इस मामले के तार एक बड़े नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं, जिसकी जांच जारी है।

सड़क हादसे में युवक की मौत, कारणों की जांच जारी

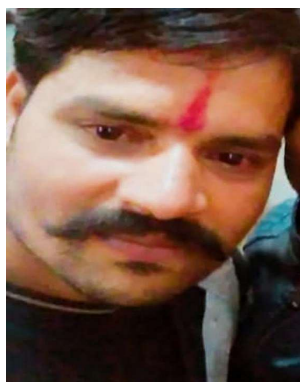

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

नेशनल हाइवे 27 पर बेरीसाल के नजदीक मंगलवार रात सड़क हादसे में कस्बा निवासी युवक की मौत हो गई । जानकारी के अनुसार आशीष शर्मा (40) पुत्र कन्हैयालाल शर्मा की सड़क हादसे में मौत हुई है । आशीष शनि मंदिर के सामने हाइवे पर घायल अवस्था में मिला था। जिसके बाद सूचना पर एंबुलेंस से घायल को नगर स्थित उप जिला अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस को युवक की बाइक फोरलेन कट के पास डिवाइडर पर मिली है। शव को मोर्च्यूरी में रखवाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि दुर्घटना किसी वाहन की टक्कर से हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण रहा।

QUICK BITES

शहरी सेवा शिविर में उमड़ा जनसैलाब, एक ही मंच पर मिली विभिन्न सेवाएं, जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी से बढ़ा उत्साह

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया

(नरेश धाकड़)। राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार नगर पालिका मंडल बिजौलिया द्वारा आयोजित शहरी सेवा शिविर अभियान-2026 आमजन के लिए राहत और सुविधा का प्रभावी माध्यम साबित हो रहा है। शिविर में नागरिकों को विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं, जिससे लोगों को त्वरित राहत मिली और लाभार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

शिविर में सांसद दामोदर अग्रवाल, मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजू बंजारा पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज गोदा की गरिमामयी उपस्थिति रही। जनप्रतिनिधियों ने शिविर का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की सराहना की तथा अधिकारियों को आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शिविर के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों ने विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उठाया। मौके पर ही कई प्रकरणों का निस्तारण करते हुए लाभार्थियों को आवश्यक दस्तावेज एवं स्वीकृतियां प्रदान की गईं। नागरिकों ने सरकार की इस पहल को जनहितकारी बताते हुए इसकी मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

नगर पालिका प्रशासन द्वारा आयोजित शिविर में 15 फ्री होल्ड पट्टों का वितरण, 11 भवन निर्माण स्वीकृतियों का वितरण तथा 3 अन्य प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। इसके अलावा विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं एवं आवेदनों का भी त्वरित निस्तारण किया गया।

अधिशाषी अधिकारी पंकज कुमार मंगल ने बताया कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप अधिक से अधिक लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिकाधिक संख्या में शिविरों में पहुंचकर योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की।

महेश नवमी महोत्सव 2026: पिकलबॉल प्रतियोगिता में रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, विजेताओं ने लहराया परचम

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

महेश नवमी महोत्सव 2026 के अंतर्गत आयोजित की गई भव्य पिकलबॉल प्रतियोगिता का समाजजनों एवं खिलाड़ियों के अभूतपूर्व उत्साह के साथ शानदार समापन हुआ। वर्तमान समय में विश्व के सबसे तेजी से विकसित होने वाले इस खेल के प्रति युवाओं से लेकर वरिष्ठ खिलाड़ियों तक में भारी क्रेज देखा गया। अपनी सरलता, रोमांच और प्रतिस्पर्धात्मक स्वरूप के कारण इस खेल ने सभी का दिल जीत लिया। इस भव्य प्रतियोगिता में 160 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लेकर इसे क्षेत्र की सबसे बड़ी पिकलबॉल प्रतियोगिताओं में से एक बना दिया। पिकलबॉल प्रभारी सीए नरेश जागेटिया, राजेश भदादा, सीए अतुल सोमानी, मुकेश सोमानी ने बताया कि प्रतियोगिता को आयु वर्ग के आधार पर दो श्रेणियों (जूनियर और सीनियर) में आयोजित किया गया था, जिसमें फाइनल मुकाबलों के बाद सीनियर ग्रुप (25 वर्ष से अधिक आयु वर्ग) में कड़े मुकाबले में प्रणल मोदानी एवं हर्षिल नुवाल ने शानदार खेल दिखाते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं बेहतरीन चुनौती पेश करने वाले अंकुश काबरा एवं स्वर्णिम छापरवाल इस श्रेणी में उपविजेता रहे। तथा जूनियर ग्रुप (25 वर्ष से कम आयु वर्ग) युवाओं के इस वर्ग में संयम माहेश्वरी और अरिजीत डागा ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन की बदौलत विजेता बनने का गौरव हासिल किया। इसके साथ ही कड़ी टक्कर देने वाले कार्तिक मूंदड़ा एवं कीर्तन झंवर प्रतियोगिता में उपविजेता रहे। सह प्रभारी सीए अंकित लखोटिया एवं अरूण बियाणी ने बताया कि प्रतियोगिता के बाद विजेताओं को विशिष्ठ अतिथी एसएन मोदानी, केदार गगरानी, भेरू लाल काबरा, सुनील जागेटिया, राजेंद्र कोगटा, संजीव सोनी, ओपी डाड, नवीन काकानी द्वारा पुरुस्कार स्वरुप ट्रॉफियों का वितरण किया गया। उपस्थित अतिथियों ने खिलाड़ियों की खेल भावना की सराहना करते हुए कहा कि खेल समाज में स्वास्थ्य, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम हैं। मिडिया प्रभारी पंकज पोरवाल ने बताया की सहप्रभारी सीए दिनेश आगाल, सीए मोहित लढ़ा, सीए नवनीत तोतला, विकास बल्दवा एवं विवेक पटवारी ने सभी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संभाला। इस पूरे आयोजन को भव्य रूप देने में अयोध्या एंटरप्राइजेज एवं वृंदावन हाइट्स का भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ, जिनके सौजन्य से खिलाड़ियों एवं दर्शकों के लिए विश्वस्तरीय व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा सकीं। आयोजन समिति ने सभी विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है, साथ ही सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों, दर्शकों एवं सहयोगकर्ताओं का इस महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया है।

21 जून को चित्रकूट धाम, नगर निगम में होगा जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

जिले में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का जिला स्तरीय आयोजन 21 जून को चित्रकूट धाम, नगर निगम भीलवाड़ा के प्रांगण में सुबह 6 बजे से 8 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर संबंधित विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आयुर्वेद विभाग को कार्यक्रम का सुनियोजित, व्यवस्थित एवं सफल आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन के निर्देशन में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में सामूहिक योगाभ्यास के माध्यम से नागरिकों को योग के प्रति जागरूक किया जाएगा तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेकर योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं तथा स्वस्थ एवं निरोगी जीवन के संकल्प को साकार करें।

मातृकुण्डिया में चार चौखला घाणीवाल तेली समाज का भव्य शपथ ग्रहण एवं प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

भीलवाड़ा फोकस @ मातृकुण्डिया। ।

चार चौखला घाणीवाल तेली समाज विकास समिति, मातृकुण्डिया के तत्वावधान में बद्रीविशाल भगवान मंदिर परिसर में भव्य शपथ ग्रहण एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज की नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को विधिवत शपथ दिलाई गई तथा शिक्षा, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समारोह में समाज के विभिन्न गांवों एवं क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाजबंधुओं, युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठजनों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासभा प्रदेशाध्यक्ष देवीलाल साहू ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, शिक्षा और संगठन में निहित होती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को संगठित रहकर शिक्षा के क्षेत्र में विशेष कार्य करने की आवश्यकता है। समाज के प्रत्येक परिवार को अपने बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ी सामाजिक, आर्थिक एवं बौद्धिक रूप से सशक्त बन सके। उन्होंने नवगठित कार्यकारिणी से अपेक्षा व्यक्त की कि वह समाज को नई दिशा देने के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता एवं जनकल्याण के कार्यों को गति प्रदान करेगी।

समारोह में अध्यक्ष भंवरलाल मेहराणिया, कार्यकारी अध्यक्ष ईश्वरलाल मोदी, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सत्यनारायण तेली (ऊंचा), उपाध्यक्ष राजू तेली (ज्ञानगढ़), उपाध्यक्ष बालूलाल रेगा सहित सचिव, महामंत्री, संगठन मंत्री, क्षेत्रीय प्रभारी एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के लगभग 200 पदाधिकारियों ने समाज हित में कार्य करने, संगठन को मजबूत बनाने तथा सामाजिक मूल्यों के संरक्षण का संकल्प लेते हुए शपथ ग्रहण की। नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने समाज के सर्वांगीण विकास के लिए मिलकर कार्य करने का विश्वास दिलाया।

वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि चार चौखला क्षेत्र में समाज को एकजुट रखते हुए सामाजिक कुरीतियों पर प्रभावी अंकुश लगाना समय की मांग है। समाज में व्याप्त अनावश्यक खर्च, दिखावे एवं अन्य सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि यदि समाज संगठित रहेगा तो शिक्षा, रोजगार, सामाजिक उत्थान और युवाओं के विकास के नए अवसर स्वतः निर्मित होंगे। समाज के सभी वर्गों को मिलकर सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में कार्य करना चाहिए। कार्यकारी अध्यक्ष ईश्वरलाल मोदी ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि युवा शक्ति समाज की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि समाज के युवाओं को शिक्षा, तकनीकी ज्ञान, प्रतियोगी परीक्षाओं, सामाजिक सेवा एवं संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। समाज के विकास का मार्ग शिक्षित एवं जागरूक युवाओं से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि नवगठित कार्यकारिणी युवाओं को समाज से जोड़ने तथा उन्हें नेतृत्व के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास करेगी। मिडिया प्रभारी प्रहलाद दिया बड़ी हरणी ने बताया की समारोह में कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि प्रतिभा सम्मान जैसे आयोजन विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं तथा शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करते हैं। समाज के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना और उन्हें आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ समाजसेवी टी.सी. चौधरी व लादूलाल तेली ने समाजहित में उत्कृष्ट योगदान, भामाशाह के रूप में निरंतर सहयोग, सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता तथा समाज विकास के लिए किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों मे योगदान देने वाले समाजसेवीयों को सम्मानित किया ।

वही समाजजनों ने उनके योगदान की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा युवा पीढ़ी को उनके कार्यों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। कार्यक्रम में बद्रीलाल जाट, रतनलाल चौधरी, भैरूलाल चौधरी, आत्माराम लाईवाल, गोपाललाल साहू, कैलाश चन्द्र आसरवा , प्रेम हाड़ा, देवीलाल अहीर, अजय बनवाल, कुंदन भाई जूतरा, देवराज साहू, कुशल साहू, मोहन दिया, विकास जादम, गणेश सिंह, राजू सेतवाल, रंजीत आमली, रतनलाल पावली, दिनेश बनाकिया, देवीलाल तेली जाडाना ,नंदकिशोर तेली गंगापुर,श्याम लाल तेली भगवान पुरा, माधव लाल सरतलिया कुंवालिया,प्यार चंद तेली रघुनाथ पुरा,कालुराम सेंतवाल गंगापुर,गोपाल लाल ढ़ाकरिया सवाईपुर,प्रभुलाल दिया लोड़ा महुआ, कैलाश चंद्र सरतलिया कुंवालिया ,महावीर सोनावा रघुनाथ पुरा,सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं समाजजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में वक्ताओं ने समाज की एकता, शिक्षा, संगठन एवं सामाजिक समरसता को मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नवगठित कार्यकारिणी के नेतृत्व में चार चौखला घाणीवाल तेली समाज शिक्षा के प्रसार, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, युवाओं के सशक्तिकरण एवं समाज के समग्र विकास की दिशा में प्रभावी कार्य करेगा। कार्यक्रम का सफल संचालन ईश्वरलाल मोदी ने किया तथा अंत में सभी अतिथियों, भामाशाहों, प्रतिभाओं एवं समाज बंधुओं का आभार व्यक्त किया गया।

सावर सीएचसी में स्वास्थ्य सेवाएं बेपटरी: एक्स-रे मशीन सात माह से बंद, विशेषज्ञ डॉक्टरों और कर्मचारियों के दर्जनों पद रिक्त, मरीजों पर बढ़ रहा आर्थिक बोझ

भीलवाड़ा फोकस @ सावर

दिलखुश मोटीस

उपखंड क्षेत्र का राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सावर इन दिनों स्वास्थ्य सेवाओं की गंभीर बदहाली से जूझ रहा है। करोड़ों रुपए की लागत से संचालित यह अस्पताल क्षेत्र के हजारों लोगों के लिए प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है, लेकिन यहां बुनियादी सुविधाओं और विशेषज्ञ चिकित्सकों की भारी कमी के कारण मरीजों को उपचार के लिए भटकना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि अस्पताल में लगी एक्स-रे मशीन पिछले सात महीनों से बंद पड़ी है, जबकि सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध होने के बावजूद उसे संचालित करने वाला विशेषज्ञ नहीं होने से मरीजों को उसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले गरीब और जरूरतमंद मरीज बेहतर इलाज की उम्मीद लेकर सावर सीएचसी पहुंचते हैं, लेकिन सुविधाओं के अभाव में उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है। एक्स-रे सुविधा बंद होने के कारण मरीजों को मजबूरन केकड़ी और देवली के निजी अस्पतालों एवं जांच केंद्रों का रुख करना पड़ रहा है। वहां जांच करवाने में 500 से 800 रुपए तक खर्च करने पड़ रहे हैं। इसके अलावा निजी वाहन से आने-जाने पर केकड़ी के लिए लगभग 700 रुपए तथा देवली के लिए 600 रुपए तक का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। केकड़ी जाने वाले मरीजों को गुड़गांव टोल पर आवागमन के लिए लगभग 100 रुपए अतिरिक्त चुकाने पड़ते हैं। ऐसे में एक साधारण जांच भी गरीब परिवारों की जेब पर भारी पड़ रही है।

केवल नाम का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

क्षेत्रवासियों का आरोप है कि सावर सीएचसी अब केवल सामान्य उपचार तक ही सीमित होकर रह गया है। गंभीर मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद अन्यत्र रेफर कर दिया जाता है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी के कारण अधिकांश मरीजों को निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन होने के बावजूद विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं होने से यह सुविधा भी लगभग बंद पड़ी है। मरीज उम्मीद लेकर आते हैं लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगती है।

18 चिकित्सकों के पद स्वीकृत, कई महत्वपूर्ण पद खाली

सावर सीएचसी में कुल 18 चिकित्सकों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन इनमें से कई महत्वपूर्ण पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं। कनिष्ठ विशेषज्ञ के पांच पदों में फिजिशियन, सर्जन, बाल रोग विशेषज्ञ, अस्थि रोग विशेषज्ञ और निश्चेतना विशेषज्ञ के पद शामिल हैं, जो वर्तमान में खाली हैं। इसके अलावा वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के दो पद तथा चिकित्सा अधिकारी के चारों पद भी रिक्त हैं।

हालांकि वर्तमान में अस्पताल में 11 चिकित्सकों का वेतन उठ रहा है, लेकिन इनमें से एक चिकित्सक डॉ अनीता किशनगढ़ ब्लॉक में डेपुटेशन पर कार्यरत हैं। वर्तमान में अस्पताल में प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. रीटा गुप्ता, दंत चिकित्सक डॉ. वैशाली मीणा और डॉ. आदित्य जोशी, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. ललित शेखावत, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. पायल वर्मा तथा उप निदेशक डॉ. मुकेश नोगिया सहित अन्य चिकित्सक सेवाएं दे रहे हैं।

नर्सिंग और तकनीकी स्टाफ में भी भारी कमी

अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर होने के बावजूद कई महत्वपूर्ण तकनीकी पद रिक्त पड़े हैं।

सीनियर नर्सिंग ऑफिसर के 2 पद स्वीकृत, 1 रिक्त

नर्सिंग ऑफिसर के 15 पद स्वीकृत, सभी भरे हुए

एलएचवी के 2 पद स्वीकृत, कोई रिक्त नहीं

एएनएम के 2 पद स्वीकृत, 1 रिक्त

फार्मासिस्ट प्रथम श्रेणी का 1 पद रिक्त

सहायक रेडियोग्राफर के 4 पदों में 2 रिक्त

तकनीकी सहायक के 2 पदों में 1 रिक्त

सीनियर लैब टेक्नीशियन के 3 पदों में सभी 3 रिक्त

लैब टेक्नीशियन के 5 पदों में 2 रिक्त

कंप्यूटर रिसोर्स असिस्टेंट के 3 पदों में सभी 3 रिक्त

डेंटल टेक्निशियन का 1 पद रिक्त

कनिष्ठ लेखाकार, वरिष्ठ सहायक और कनिष्ठ सहायक के पद रिक्त

वार्ड बॉय के 6 पदों में 5 रिक्त

सफाई कर्मचारी के 4 पदों में सभी 4 रिक्त

विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीकी कर्मचारियों और सहायक स्टाफ की कमी का सीधा असर मरीजों को मिलने वाली सेवाओं पर पड़ रहा है।

ट्रोमा सेंटर भी स्टाफ संकट से जूझ रहा

सावर स्थित राजकीय ट्रोमा सेंटर की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। यहां डॉक्टरों के कुल छह पद स्वीकृत हैं, लेकिन कई पद रिक्त पड़े हैं।

ट्रोमा कनिष्ठ विशेषज्ञ का 1 पद रिक्त

ऑर्थो चिकित्सा अधिकारी के 3 पदों में 1 रिक्त

सर्जरी चिकित्सा अधिकारी के 2 पदों में 1 रिक्त

एक चिकित्सक उच्च शिक्षा के लिए अवकाश पर

नर्सिंग ऑफिसर के सभी 10 पद भरे हुए

ट्रोमा सेंटर में विशेषज्ञों की कमी के कारण सड़क दुर्घटनाओं और गंभीर मामलों में मरीजों को अजमेर, भीलवाड़ा और अन्य बड़े अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है।

क्षेत्रवासियों में बढ़ रहा आक्रोश

क्षेत्र के लोगों का कहना है कि सावर सीएचसी और ट्रोमा सेंटर को वर्षों पहले क्षेत्र की बढ़ती आबादी और जरूरतों को देखते हुए विकसित किया गया था, लेकिन पर्याप्त स्टाफ और संसाधनों के अभाव में इसका उद्देश्य अधूरा रह गया है। लोगों ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि बंद पड़ी एक्स-रे मशीन को तत्काल चालू कराया जाए, सोनोग्राफी विशेषज्ञ की नियुक्ति की जाए तथा रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाए ताकि क्षेत्र के गरीब मरीजों को राहत मिल सके।

गेगा का खेड़ा में ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन

भीलवाड़ा फोकस @ आकोला

जसवंत पारीक नीति आयोग के आईएएस अफसर राजेश कला ने अधिकारियों की ली बैठक।गेगा का खेडा गांव में मंगलवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन किया गया । ग्राम पंचायत प्रशासक शंकर लाल शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में ग्रामीण की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया। इस मौके पर नीति आयोग के आईएएस अफसर राजेश कला ने अधिकारियों की बैठक ली तथा केंद्र सरकार के कार्यक्रमों की जानकारी दी। शिविर में विशिष्ट अतिथि मांडलगढ़ विधायक विधायक गोपाल लाल खंडेलवाल ने मौके पर ग्रामीणों को पट्टे वितरित किए। तथा कोटडी के निवर्तमान पूर्व प्रधान करण सिंह बेलवा, निवर्तमान उपप्रधान कैलाश सुथार, गेगा का खेडा पूर्व सरपंच कैलाश चन्द्र शर्मा, कोटडी उपखंड अधिकारी

तानिया रीणवा , कोटडी तहसीलदार श्री लाल मीणा, बडलियास नायब तहसीलदार मदन लाल शर्मा,विकास अधिकारी बाबू लाल टाँक सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

नागेश्वर महादेव मंदिर में 25 हजार लीटर गंगाजल से हुआ भव्य 'सहस्त्रधारा महारुद्राभिषेक'

131 वैदिक पंडितों के मंत्रोच्चार से गुंजायमान हुआ क्षेत्र

भीलवाड़ा फोकस @ गंगापुर

पोटला के निकट सांवलियाजी मंदिर पर भगवान नागेश्वर महादेव के पावन प्रांगण में सुख-शांति, समृद्धि और जन-कल्याण की भावना के साथ आयोजित 'सहस्त्रधारा महारुद्राभिषेक' का भव्य आयोजन हुआ। आयोजक मंडल के रामेश्वर लाल काबरा ने बताया की इस धार्मिक आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता हरिद्वार से विशेष रूप से मंगवाए गए 25 हजार लीटर पवित्र गंगाजल से भगवान महादेव का अभिषेक रहा। 'दिव्य अभिषेक और वैदिक अनुष्ठान

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'सहस्त्रधारा महारुद्राभिषेक' रहा, जिसमें हरिद्वार से लाई गई गंगा की अविरल धारा से नागेश्वर महादेव का अभिषेक किया गया। जिसमें मुख्य आचार्य कालूराम शर्मा के नेतृत्व में

वैदिक मंत्रोच्चार से 131 पंडितों द्वारा अभिषेक करवाया गया । इन विद्वानों के कंठ से निकले वैदिक मंत्रोच्चार और ऋचाओं के स्वर से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। इस अवसर पर चमन लोसर,हरीश ईनाणी, बृजेश पिंटू काकानी, सुनील हिरण,खेमराज लक्षकार,अंकित डागलिया, प्रहलाद झवर,रमेश कोठारी, भैरू लाल सुराणा व रामनारायण वैष्णव मुख्य यजमान रहे।इस ऐतिहासिक अनुष्ठान को देखने के लिए दूर-दराज से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। मंदिर परिसर में 'हर-हर महादेव' के जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहा। घंटों तक चले इस अनुष्ठान में भक्तों ने कतारबद्ध होकर महादेव के दर्शन किए और गंगाजल से अभिषेक का पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस धार्मिक अनुष्ठान की पूर्णाहुति के पश्चात, उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के लिए विशाल 'भोजन प्रसादी' (भंडारे) का आयोजन किया गया।भक्तों ने पूरी श्रद्धा के साथ प्रसादी ग्रहण की इस दौरान पोटलां, गंगापुर, भीलवाड़ा सहाड़ा,सातलियास, दियास ,महेन्दी, टपरिया खेड़ी, सांगास ,करणजी खेड़ी सहित आस पास के गांवों से सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया।

संजय कॉलोनी में श्रीमद भागवत कथा महोत्सवः भक्त प्रहलाद चरित्र, रामावतार वामन अवतार और श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग सुन श्रद्धालु हुए भाव-विभोर

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

संजय कॉलोनी स्थित श्री चारभुजा मंदिर में श्री चारभुजा मंदिर सेवा समिति एवं महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित 26वें पाटोत्सव महोत्सव के अंतर्गत चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर कथा व्यास आचार्य शक्ति देव जी महाराज ने अपनी ओजस्वी, मधुर एवं भावपूर्ण वाणी से भक्त प्रहलाद चरित्र, रामावतार, राजा बलि-वामन अवतार तथा श्रीकृष्ण जन्म के दिव्य प्रसंगों का रसपूर्ण वर्णन कर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया।

मंगलाचरण के साथ कथा का शुभारंभ करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत मानव जीवन को धर्म, भक्ति, सदाचार और ईश्वर के प्रति समर्पण का मार्ग दिखाती है। कथा केवल श्रवण का विषय नहीं, बल्कि जीवन में उतारने योग्य दिव्य ज्ञान है।

महाराज श्री ने भक्त प्रहलाद चरित्र का वर्णन करते हुए आचार्य श्री ने बताया कि असुर राज हिरण्य कश्यप के पुत्र होने के बावजूद प्रहलाद के हृदय में भगवान विष्णु के प्रति अटूट श्रद्धा और भक्ति थी। अनेक यातनाएँ दिए जाने पर भी उन्होंने प्रभु स्मरण नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि सच्ची भक्ति में असीम शक्ति होती है और भगवान सदैव अपने भक्तों की रक्षा करते हैं।

इस प्रसंग के दौरान प्रस्तुत भजन 'श्री मन नारायण, नारायण, नारायण...' ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया और पूरा पांडाल प्रभु भक्ति में झूम उठा।रामावतार का वर्णन करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि भगवान श्रीराम मर्यादा, त्याग, सत्य एवं कर्तव्यपरायणता के सर्वोच्च आदर्श हैं। उनका जीवन सम्पूर्ण मानव समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाए तो परिवार और समाज में सुख, शांति एवं सद्भाव स्थापित हो सकता है।

श्रीराम जन्म प्रसंग में माता कौशल्या को भगवान के चतुर्भुज स्वरूप के दर्शन का वर्णन करते हुए उन्होंने भावपूर्ण स्तुति 'भए प्रकट कृपाला दीनदयाला, कौशल्या हितकारी...' प्रस्तुत की, जिसे सुन श्रद्धालु आनंद और उत्साह से झूम उठे।

इसके पश्चात गुरु विश्वामित्र के साथ जनकपुर आगमन, शिवधनुष यज्ञ एवं सीता-राम विवाह प्रसंग का संक्षिप्त एवं रोचक वर्णन किया। धनुष भंग होने के उपरांत प्रस्तुत भजन 'तुम उठो सिया श्रृंगार करो...' ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान राम-सीता की मनोहारी झांकी भी सजाई गई तथा महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक पूजन-अर्चन किया। झांकी में श्रीराम का

अभिनय जितेन्द्र सोनी एवं सीता का अभिनय सीमा सोनी ने किया ।

आचार्य श्री ने राजा बलि और वामन अवतार की कथा सुनाते हुए बताया कि भगवान वामन ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी। दो ही पग में उन्होंने विराट रूप धारण कर संपूर्ण त्रिलोकी को नाप लिया तथा तीसरा चरण राजा बलि के मस्तक पर रखकर उन्हें मोक्ष प्रदान किया।

इस प्रसंग के दौरान गाया गया भजन 'जब खिड़की खोलूं तो तेरा दर्शन हो जाए...' श्रद्धालुओं के हृदय को छू गया।

श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग का वर्णन करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ता है, तब-तब भगवान धर्म की स्थापना और भक्तों की रक्षा के लिए अवतार लेते हैं। कंस के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने एवं धर्म की पुनर्स्थापना हेतु भगवान श्रीकृष्ण ने अवतार धारण किया।

श्रीकृष्ण जन्म का भावपूर्ण वर्णन सुनकर पूरा पांडाल 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयघोषों से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर वासुदेव एवं बालकृष्ण की आकर्षक झांकी सजाई गई जिसमें वासुदेव का अभिनय ओम गन्दोडिया, बाल कृष्ण का सिद्धम टेलर ने निभाया। नंद बाबा के यहां गोकुल में नंदोत्सव का उल्लासपूर्ण वातावरण साकार हो उठा।

कथा के दौरान आचार्य श्री ने दान की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि 'अहंकार पतन की सीढ़ी है !' जबकि दान आत्मशुद्धि का माध्यम है। उन्होंने श्रद्धालुओं से सत्पात्र को दान देने का आह्वान करते हुए कहा कि दान से धन की शुद्धि होती है। स्वर्ण दान एवं भूमि दान को उन्होंने अक्षय दान बताया।

विश्व रक्तदाता दिवस पर गोपाल विजयवर्गीय सम्मानित हर पंचायत, रक्त पंचायत अभियान के लिए मिला सम्मान, रक्तदान बढ़ाने का किया आह्वान

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

मूलचन्द पेसवानी

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर 15 जून को गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, उदयपुर में आयोजित विशेष समारोह में रक्तदान जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं संस्थाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का विषय मानवता की एक बूंद - रक्तदान करें, जीवन बचाएं रखा गया।

मेडिकल कॉलेज के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित समारोह में सहयोग सेवार्थ फाउंडेशन, भीलवाड़ा के सचिव गोपाल विजयवर्गीय को रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। विजयवर्गीय को ग्रामीण क्षेत्रों में हर पंचायत, रक्त पंचायत अभियान के माध्यम से रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने, नियमित रक्तदान शिविर आयोजित करने तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. संगीता गुप्ता, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हरप्रीत सिंह, सीईओ ऋषि कपूर तथा पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. गीता मुखिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने गोपाल विजयवर्गीय को मोमेंटो, प्रशस्ति-पत्र एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

सम्मान प्राप्त करने के बाद अपने संबोधन में गोपाल विजयवर्गीय ने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक सेवा नहीं बल्कि मानव जीवन बचाने का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने स्वयंसेवी संगठनों और युवाओं से अधिक से अधिक स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि समाज संगठित होकर इस दिशा में कार्य करे तो ब्लक्त करे रोगी का इंतजारष् का संकल्प साकार हो सकता है और किसी भी जरूरतमंद मरीज को रक्त के अभाव में परेशान नहीं होना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि सहयोग सेवार्थ फाउंडेशन लगातार ग्रामीण अंचलों में रक्तदान जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को प्रेरित कर रहा है। संस्था का उद्देश्य प्रत्येक पंचायत को रक्तदान के प्रति जागरूक बनाना तथा आपातकालीन परिस्थितियों में जरूरतमंदों को शीघ्र रक्त उपलब्ध कराना है। समारोह के अंत में फाउंडेशन की ओर से गीतांजलि मेडिकल कॉलेज प्रशासन एवं ब्लड सेंटर की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया गया। साथ ही रक्तदान को जनआंदोलन बनाने और अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य से जोड़ने का संकल्प दोहराया गया।

QUICK BITES

होलीरड़ा में नव दिवसीय सप्तकुंडीय महायज्ञ की पूर्णाहुति आज

भीलवाड़ा फोकस @ आकोला

जसवंत पारीक। निकटवर्ती होलीरड़ा गांव में पिछले आठ दिनों से चल रहे नव दिवसीय सप्तकुंडीय श्रीराम महायज्ञ एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की पूर्णाहुति बुधवार को होगी। इस अवसर पर भगवान श्रीराम-जानकी, शिव परिवार एवं तेजाजी महाराज की मूर्तियों की स्थापना के साथ तेजाजी महाराज मंदिर एवं हनुमान मंदिर पर स्वर्ण कलश स्थापना का आयोजन किया जाएगा।

यज्ञाचार्य पंडित गोपाल भट्ट ने बताया कि मूर्ति स्थापना एवं कलशारोहण समारोह का शुभ मुहूर्त प्रातः 8:21 बजे निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा क्षेत्र के श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है।

मंगलवार को महायज्ञ के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। प्रातः 7:15 बजे स्थापित देवता पूजन, 11:15 बजे आवाहित देवता पूजन तथा दोपहर 12:15 बजे तेजाजी महाराज की मूर्ति का उद्यापन किया गया। इसके बाद अपराह्न 3:15 बजे भगवान श्रीराम-जानकी, शिव परिवार एवं तेजाजी महाराज का सहस्त्रधारा अभिषेक संपन्न हुआ। सायं 5:15 बजे महाआरती के पश्चात नूतन मूर्तियों का न्यास, प्राण प्रतिष्ठा एवं शय्याधिवास की विधियां पूर्ण कराई गईं।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर भाजपा का शक्ति प्रदर्शन, मदन राठौड़ ने साधा विपक्ष पर निशाना

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा ने विकसित भारत संकल्प सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मोदी सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला।

राठौड़ ने कहा कि मोदी सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को धरातल पर उतारते हुए अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश का भविष्य घोटालों और जमानत पर चलने वाले नेताओं के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयानों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि देशहित के मुद्दों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने कहा कि संगठन आगामी पंचायत राज और निकाय चुनावों के लिए पूरी मजबूती के साथ कार्य कर रहा है।

भीलवाड़ा प्रवास के दौरान राठौड़ ने महिला मोर्चा के कार्यक्रम में भाग लिया, मंदिरों में दर्शन किए, गौसेवा की तथा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया। साथ ही वरिष्ठ जनसंपर्क अभियान के तहत वरिष्ठ कार्यकर्ताओं एवं समाजजनों से भी मुलाकात की।

भीलवाड़ा इंडस्ट्रियल एरिया में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की नई शाखा का उद्घाटन

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

पुनित चपलोत

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की नई शाखा का शुभारंभ भीलवाड़ा इंडस्ट्रियल एरिया में किया गया। शाखा का उद्घाटन बैंक के आंचलिक प्रमुख जयपुर अनिल कुमार तथा क्षेत्रीय प्रमुख उदयपुर नितिन शर्मा द्वारा विधिवत रूप से किया गया।

इस अवसर पर बैंक अधिकारियों ने कहा कि नई शाखा के शुरू होने से क्षेत्र के उद्योगपतियों, व्यापारियों एवं आमजन को बेहतर और सुगम बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। विशेष रूप से औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत उद्यमियों को बैंकिंग सुविधाओं का लाभ अपने नजदीक ही मिल सकेगा।

नई शाखा के माध्यम से ग्राहकों को एमएसएमई ऋण, व्यापारिक ऋण, गृह ऋण, वाहन ऋण, डिजिटल बैंकिंग सेवाएं सहित विभिन्न आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे स्थानीय व्यापार एवं उद्योगों को भी प्रोत्साहन मिलेगा तथा बैंकिंग सेवाओं का दायरा और अधिक व्यापक होगा।

उद्घाटन समारोह में बैंक के अधिकारी, कर्मचारी, स्थानीय उद्योगपति, व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने क्षेत्र में नई शाखा खुलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।